

डॉ. एलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 15, संख्याएँ, व्यवस्थाविवरण 27-28

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

इससे पहले कि हम कुछ और करें, आइए गाएँ, जिसका मतलब है कि मैं माइक बंद करने जा रहा हूँ। जैसा कि मैंने आपके लिए नोट किया है, इसका विस्तारित संस्करण जिसमें अंग्रेजी भी शामिल है ताकि आपको पता चले कि आप क्या गा रहे हैं, वास्तव में ब्लैकबोर्ड पर है। यह वही है जिसे हमने शुक्रवार को सीखने की कोशिश की थी, और हम सभी इसके अंत में हैं, और यह ठीक है।

तो, आज हम इसे कुछ हद तक धीरे-धीरे करेंगे। क्या आपको याद है कि पहली पंक्ति काफी धीमी गति से चलती है? यह भजन 51 की 10वीं पंक्ति है, "हे परमेश्वर, मेरे अन्दर शुद्ध हृदय उत्पन्न कर और मेरे अन्दर एक शुद्ध आत्मा का नवीनीकरण कर।" और फिर दूसरी पंक्ति थोड़ी तेजी से चलती है, "मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न करें, अपनी पवित्र आत्मा को मुझसे दूर न करें।" और फिर, तीसरी पंक्ति, हम वास्तव में बहुत तेजी से आगे बढ़ते हैं, और यहीं पर हम सभी पिछले शुक्रवार को अलग हो गए थे। क्या आप देखना चाहते हैं कि यह कैसे चलता है? कैरी, क्या आज सुबह आपकी आवाज़ अच्छी है? ठीक है, क्योंकि मैं अच्छी नहीं हूँ।

चलिए शुरू करते हैं। अब आप इसे जान गए हैं, है न? क्या आप इसे एक बार फिर से आजमाना चाहेंगे? आप पहली पंक्ति में वाकई बहुत अच्छा कर रहे हैं। यह बहुत बढ़िया है।

और आखिरी वाला तो बस मौज-मस्ती वाला है। खैर, देखते हैं कि हम इसे एक बार और कर पाते हैं या नहीं। फिर हम साथ में प्रार्थना करेंगे, और फिर हम काम पर लग जाएंगे। चलिए शुरू करते हैं।

बुरा नहीं है। खुश रहो। अगली बार, हम कुछ आसान काम करेंगे।

लेकिन सेमेस्टर के अंत तक, आप इसे अच्छी तरह से जान जाएंगे। आइए हम साथ मिलकर प्रार्थना करने के लिए कुछ समय निकालें।

हमारे स्वर्गीय पिता, आपका धन्यवाद कि हम एक साथ सप्ताह की शुरुआत आपकी उपस्थिति में आपको नमन करके, आपके वचन का एक साथ अध्ययन करके, और आपके शाश्वत वाचा प्रेम में अपने भरोसे और विश्वास की पुष्टि करके कर सकते हैं।

पिता, हमें दिए गए आपके सभी अच्छे उपहारों के लिए आपका धन्यवाद। मसीह के उपहार और मसीह में नए जीवन के लिए आपका सबसे अधिक धन्यवाद। पिता, हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो स्वस्थ नहीं हैं, कि आप उनके स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार लाएँ।

हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो अपने परिवार के सदस्यों को खोने के कारण इस दिन शोक मना रहे हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें सांत्वना दें। पिता, हम पहले की तरह ही अपने नेताओं के लिए बहुत कठिन समय में प्रार्थना करते हैं।

हम उनके लिए आपकी बुद्धि और उनके जीवन में आपकी उपस्थिति की पुष्टि और स्वीकृति के लिए प्रार्थना करते हैं। हम यरूशलेम की शांति और दुनिया के उस हिस्से में इसके निहितार्थ के लिए प्रार्थना करते हैं जहाँ जीवन कभी-कभी कठिन और कठिन होता है। इसलिए, पिता, इन सभी चीजों में, हम आपको अपनी प्रार्थनाएँ अर्पित करते हैं क्योंकि आप ब्रह्मांड के स्वामी हैं।

हम आपके प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं और आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप हमें यह दिन सिखाएँ। मसीह के नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।

खैर, आज हम कनान की यात्रा पर जा रहे हैं। हम 45 मिनट में 40 साल का सफर तय करेंगे। क्या आप इसके लिए तैयार हैं? अगर हम इसे सही तरीके से कर रहे हैं तो पचास मिनट।

हम माउंट सिनाई से जॉर्डन घाटी तक जाने की कोशिश करेंगे, और इसलिए, आपकी परीक्षा के बाद, हम भूमि पर विजय प्राप्त करने जा रहे हैं। यह इसी तरह से होने जा रहा है। लेकिन आइए सबसे पहले मानचित्र पर एक नज़र डालें, और हम देखेंगे कि क्या हम इस मानचित्र पर खुद को उन्मुख कर सकते हैं।

मिस्र से बाहर आकर, उन्होंने संभवतः बिटर लेक्स नामक इस क्षेत्र को पार किया होगा। मैंने आपको सुझाव दिया कि भले ही माउंट सिनाई के बारे में लगभग 11 सुझाव हैं, लेकिन मैं यहीं नीचे इस पारंपरिक क्षेत्र में रहना पसंद करता हूँ। सांता कैटरीना मठ वहाँ है, साथ ही जेबेल मूसा, मूसा का पर्वत, यानी माउंट सिनाई क्षेत्र भी है।

तो, वे एक साल के लिए सिनाई प्रायद्वीप के एक बहुत ही अलग-थलग दक्षिणी तिहाई इलाके में हैं। उस समय के खत्म होने के बाद, वे इस क्षेत्र से होते हुए, शायद इसी तरह, और फिर कादेश बरनेया तक अपना रास्ता बनाएंगे, जो यहीं पर है। और बेशक, वे कादेश बरनेया में बहुत समय बिताते हैं।

आज हम उन घटनाओं के बारे में थोड़ी बात करेंगे। वे ज़िन के जंगल में भी कुछ समय बिताते हैं, जो कि इस तरह का एक छोटा सा हिस्सा है जो बस ऐसे ही आता है। फिर वे किसी तरह अपना रास्ता बनाने जा रहे हैं, और हमें ठीक से पता नहीं है कि यह कैसे काम करता है, लेकिन हम इसके बारे में बात करने जा रहे हैं। एदोम के आस-पास, आपको याद होगा कि उन्होंने किंग्स हाईवे पर एदोम से गुजरने के लिए कहा था।

यह मार्ग यहीं है। और एदोम का राजा कहता है कि बिलकुल नहीं। और इसलिए उन्हें शायद रेगिस्तानी राजमार्ग पर जाने की ज़रूरत है।

वे उत्तर की ओर बढ़ेंगे और दो एमोराइट राजाओं, सीहोन और ओग को हराएंगे। और फिर, आखिरकार, वे यहीं उतरेंगे। और यहीं पर आप मूसा को माउंट नेबो से भूमि को देखते हुए देख सकते हैं।

आपके पास फिर से आज्ञाओं की पुनरावृत्ति है क्योंकि व्यवस्थाविवरण व्यक्त और स्पष्ट किया गया है। फिर वे देश में जाने के लिए तैयार होंगे। तो आज, हम संख्या अध्याय 11 से संख्या के अंत और कथात्मक घटनाओं तक अपना रास्ता बनाने जा रहे हैं।

हम इसी दिशा में जा रहे हैं। उनमें से कुछ की व्यवस्थाविवरण में समानताएँ हैं, खासकर उस ऐतिहासिक प्रस्तावना के संदर्भ में पहले चार अध्याय। लेकिन मैं इसे समझने के लिए संख्याओं का उपयोग हमारे मार्गदर्शक के रूप में करने जा रहा हूँ।

बस थोड़ा सा यह बताइए कि यह चीज़ कैसी दिखती है। यहाँ नीचे की ओर देख रहे हैं। फिर से, मुझे लगता है कि हमने इस तस्वीर को पहले भी देखा है।

लेकिन माउंट सिनाई या जेबेल मूसा से सेंट कैथरीन मठ को नीचे देखते हुए। व्यवस्थाविवरण अध्याय 8 श्लोक 15 हमें बताता है कि जब वे बिच्छुओं और उग्र साँपों के साथ उस विशाल और भयानक रेगिस्तान से गुज़रे। ये वे चीज़ें हैं जो वहाँ रहती हैं।

दिलचस्प बात यह है कि व्यवस्थाविवरण के उस भाग का एक हिस्सा यह इंगित करना है कि इन चीज़ों के बावजूद परमेश्वर ने उन्हें कैसे बचाया। हालाँकि बिच्छू तब तक जानलेवा नहीं होते जब तक कि वे आपके सिर के आस-पास डंक न मार दें, यह साँप, जो कि छोटा है, जानलेवा है। इसलिए, मैं यह ध्यान में रखना चाहता हूँ कि वे जंगल सिनाई क्षेत्र के कुछ निवासी हैं।

यह एक खूबसूरत इलाका भी है। यहाँ आपको कुछ बलुआ पत्थर की सामग्री, हवा से कटाव, और सोने और लाल और बैंगनी रंग के विभिन्न रंगों और बलुआ पत्थरों के बीच की हर चीज़ की खूबसूरती देखने को मिलेगी। और फिर हम ज़िन के जंगल को देखने जा रहे हैं जिसे मैंने अभी आपको मानचित्र पर दिखाया है।

मुझे लगता है कि हमने इसे पहले भी देखा है। क्या मैंने आपको यह तस्वीर पहले भी दिखाई है? मुझे याद नहीं कि मैंने आपको क्या दिखाया था। यह ज़िन का जंगल है।

और मैं बस थोड़ा सा परिप्रेक्ष्य प्राप्त करना चाहता हूँ। यदि आप उस आकृति को देखें, तो वह मैं हूँ। और इतना छोटा सा व्यक्ति ज़िन के जंगल से बाहर की ओर देख रहा है और, ज़ाहिर है, धुंध के माध्यम से ट्रांसजॉर्डन तक का पूरा रास्ता।

फिर से, जब आप पढ़ रहे हैं तो आप यही देखते हैं। यही मैं चाहता हूँ कि आप अब गिनती की किताब पढ़ते समय देखें, खास तौर पर अध्याय 20 और 21, जहाँ आपको ज़िन के जंगल में लोग दिखाई देते हैं। यहाँ से पश्चिम की ओर, कादेश बरनेआ के पास ही होगा।

और कादेश बरनेया में एक मरूद्यान है, और यह कुछ इस तरह दिखता है। लेकिन फिर, जब आप बाहर देखते हैं, तो यह एक विशाल, काफी सूखा और बंजर सा लगता है। यह उत्तरी सिनाई में है, जहाँ सिनाई में, आम तौर पर, साल में दो से चार इंच बारिश होती है।

इसलिए, वहाँ बहुत ज़्यादा बारिश नहीं होती। इस्राएली लोग वास्तव में कादेश बर्नीया में काफ़ी समय बिताते हैं। वहीं पर पूँछ है।

क्योंकि वहाँ पानी का स्रोत तो है, लेकिन जाहिर है कि यह इतना बड़ा स्रोत नहीं है कि इन सभी लोगों को पानी मिल सके। इसलिए, भगवान वाकई उनके लिए पानी उपलब्ध कराते रहते हैं। तो आज के लिए यह हमारा छोटा सा दृश्य दौरा है।

मुझे लगता है कि बस इतना ही है। हाँ। इस्राएलियों को आगे बढ़ाने से पहले हमें कुछ बातों पर बात करनी होगी।

पहला तो बस कुछ बातें स्पष्ट करना है जो मैंने आपके व्याख्यान की रूपरेखा में पाई हैं। और वह यह है कि, आप जानते हैं, उन्होंने क्या हासिल किया है? वे वहाँ एक साल से हैं। वे सिनाई में एक साल से हैं।

मूलतः माउंट सिनाई के तल पर डेरा डाला गया। क्या हासिल हुआ है? खैर, वे यहाँ हैं। भगवान ने अपनी वाचा दी है।

दस आज्ञाओं में कहा गया है। मैंने उन शर्तों के साथ आगे की बात की जिनके बारे में हम बात कर रहे थे। शर्तें जो नैतिक, नैतिक टोरा से लेकर नागरिक, सामाजिक संगठन तक फैली हुई हैं।

और फिर उन्हें अनुष्ठान की सामग्री भी जाननी होगी जो उन्हें जीने और परमेश्वर की उपस्थिति में प्रवेश करने के लिए जानना आवश्यक है। तो, वाचा को स्पष्ट किया गया है। उन्होंने खुद को स्थापित कर लिया है।

जनगणना। उन्होंने अपनी गिनती कर ली है। अब वे आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

वे भी, बस स्थापित होने के संदर्भ में, डेरा डालने के लिए स्थानों पर स्थित हैं। तम्बू के कुछ किनारों पर कुछ जनजातियाँ। इसलिए, यह सब महत्वपूर्ण है।

और फिर, बेशक, तम्बू का निर्माण इन सभी लोगों के योगदान से किया गया है। वे चीज़ें जो वे अपने साथ मिस्र से लाए थे। यह एक उल्लेखनीय स्थान है, जैसा कि हम पहले ही कह चुके हैं, जो उनके बीच में परमेश्वर की उपस्थिति को प्रकट करता है।

तो, वह उनके बीच में रहता है। वह उनके साथ है। और फिर भी, इसके चारों ओर आंगन के साथ इसकी पवित्र प्रकृति इसे अलग बनाती है।

पूजा की स्थापना बलिदान प्रणाली के रूप में की जाती है। पुरोहित वर्ग मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है। ये सभी चीजें अब काम कर रही हैं।

और इसलिए, वे सिनाई से आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। जैसा कि आप इन घटनाओं को देखते हैं, अध्याय 11 से शुरू होकर वास्तव में बालाम की घटना तक, जिसके साथ हम आज समाप्त करने जा रहे हैं, कुछ ऐसे विषय हैं जो बार-बार वापस आते रहते हैं। इसलिए, मैं उन व्यापक विषयों और उन चीजों के बारे में थोड़ा सा कहने जा रहा हूँ जो हम सीख सकते हैं, वे सबक जो हम सीख सकते हैं।

मैं आप पर भरोसा करता हूँ कि आप इनमें से प्रत्येक कथा का विवरण जानेंगे। मैं उनमें से कुछ के बारे में बात करूँगा। लेकिन, आप जानते हैं, वापस जाएँ और उन्हें पढ़ें और उन्हें ध्यान से जानें।

लेकिन जब आप ये कहानियाँ पढ़ते हैं तो आपको एक तरह की प्रेरणा मिलती है। और यह एक ऐसी प्रेरणा है जिससे हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। गॉर्डन कॉलेज, जैसा कि आप जानते हैं, का एक मिशन स्टेटमेंट है।

हमारा मिशन कथन यह है कि हम सेवक नेताओं को प्रशिक्षित और शिक्षित करने का प्रयास करते हैं। क्या आपने सेवक नेताओं के बारे में सुना है? आपको यह अभिव्यक्ति सुननी चाहिए थी। जब आप पहली बार यहाँ आए थे, तो आपको मिशन कथन शायद कम से कम 15 बार सुना होगा।

हम सेवक नेताओं को शिक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। और यदि आप उस स्थिति में आने की आकांक्षा रखते हैं, तो आप खुद को कठिनाइयों के लिए तैयार कर रहे हैं। मुझे संदेह है कि आपने इसे पढ़ते समय जो बात नोटिस की है, वह यह है कि मूसा पर लगातार हमले हो रहे हैं, है न? उन लोगों से जो उसके खिलाफ शिकायत कर रहे हैं, उसकी बहन और भाई से जो उसके खिलाफ शिकायत कर रहे हैं, अन्य नेताओं से, जनजातियों के नेताओं से जो उसके खिलाफ विद्रोह करते हैं और भूमि पर जासूसी करने के बाद जाने से इनकार करते हैं, आप जानते हैं।

हर बार जब वह पलटता है, तो वह उन अड़ियल लोगों को संबोधित करता है जो वह नहीं करना चाहते जो उन्हें करना चाहिए। और यही वह चीज है जिससे अच्छे नेता फंस जाते हैं। इसलिए, यदि आप एक नेता बनने की आकांक्षा रखते हैं, तो इस तथ्य के लिए तैयार रहें कि यदि आप सही काम कर रहे हैं तो हर कोई आपको हर समय पसंद नहीं करेगा।

अगर आप सही काम नहीं कर रहे हैं, तो वे शायद आपसे प्यार करेंगे। लेकिन अगर आप सही काम कर रहे हैं, तो कुछ विरोध तो होगा ही। और मूसा को निश्चित रूप से नियमित रूप से इसका सामना करना पड़ा।

इसलिए, उन कुछ लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिन्हें परमेश्वर के लोगों का नेतृत्व करने के लिए चुना जाता है। यही इसकी वास्तविकता है क्योंकि हम एक पापी और पतित दुनिया में रहते हैं, जो निश्चित रूप से हमें बाकी लोगों की ओर ले जाती है जो आम तौर पर पापी

और पतित भीड़ का हिस्सा हैं। और जब आप इन कथाओं को पढ़ेंगे, और अगर आपने उन्हें पढ़ा है तो आप पहले ही देख चुके हैं, लोग हमेशा दुखी रहते हैं और रोते-बिलखते रहते हैं और शिकायत करते हैं और जो कुछ भी हम सोच सकते हैं, करते रहते हैं।

लेकिन, आप जानते हैं, आपको बस इतना करना है कि रुकें और थोड़ा सोचें और आप और मैं शायद उस श्रेणी में भी आते हैं जब हम किसी बात या किसी दूसरी बात को लेकर परेशान हो जाते हैं। इसलिए, इन गिरे हुए समुदायों में असंतोष और विद्रोह हमेशा मौजूद रहते हैं। यहाँ दिलचस्प बात यह है कि परमेश्वर दयालु है, लेकिन परमेश्वर विद्रोहियों का न्याय भी करता है, उन्हें सज़ा देता है और उनसे निपटता भी है।

अब, इसे हमारे कठोर हाथों वाले परमेश्वर द्वारा लोगों के सिर पर फिर से प्रहार करने के रूप में नहीं देखा जाएगा, या कम से कम मेरे द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जाएगा। वास्तव में, यदि हम उस अध्याय के अंत में लेविटस 26 पर वापस जाते हैं, तो परमेश्वर लोगों को वापस लाने के लिए उन्हें दंडित कर रहा है। और हमेशा यही इरादा होता है।

तो, जब आप इन जगहों को देखते हैं जहाँ भगवान बहुत स्पष्ट रूप से उनके जीवन में अनुशासन ला रहे हैं, तो यह शिक्षाप्रद है, ठीक है? यह उन्हें वापस लाने के लिए है क्योंकि उन्हें निश्चित रूप से इसकी आवश्यकता है। खैर, चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं और कुछ विशिष्ट घटनाओं को देखते हैं। हम उनमें से कुछ पर दूसरों की तुलना में अधिक उतरेंगे, लेकिन उन सभी में हमें कुछ न कुछ सिखाने के लिए है।

सबसे पहले, गिनती अध्याय 11. एक साल बाद, याद कीजिए जब वे पहली बार मिस्र से बाहर आए, निर्गमन अध्याय 16? वे भूखे थे, और उन्होंने शिकायत करना शुरू कर दिया, और उनके पास भोजन नहीं था। और इसलिए यह पूरी तरह से समझ में आता है कि उस समय, जब परमेश्वर उनका परीक्षण करता है, तो वह उन्हें प्रदान करता है, और इसमें कोई फटकार शामिल नहीं होती है।

लेकिन यहाँ क्या हो रहा है? भगवान नियमित रूप से, दिन-ब-दिन भोजन उपलब्ध कराते रहे हैं, और सिनाई के संदर्भ में उनके नियमित प्रावधान के लिए आभारी होने के बजाय, वे फ़िले मिर्गान चाहते हैं, और वे कैवियार चाहते हैं, और वे ठीक से भाप में पकाए गए शतावरी चाहते हैं। क्या आप बात समझ रहे हैं? वे वे सभी स्वादिष्ट व्यंजन चाहते हैं जो उन्हें लगता था कि मिस्र में उनके पास थे, और वे उस चीज़ से संतुष्ट नहीं हैं जो भगवान ने उन्हें मन्ना में दी है। और इसलिए, इस बार, यह केवल भगवान द्वारा प्रदान किया जाने वाला भोजन नहीं है।

वह वास्तव में उनके संदर्भ में एक परीक्षण और एक दंड लाएगा। ध्यान दें कि यहाँ कुछ चीज़ें हो रही हैं। इसके जवाब में, वैसे, मैं आपके लिए अध्याय 11, श्लोक 10 से शुरू करके पढ़ूँगा।

मूसा ने हर परिवार के लोगों की बात सुनी। मेरा मतलब है, यह संक्रामक है, और आप भी जानते हैं कि विलाप, बड़बड़ाहट और कराहना संक्रामक है। कोई इसे शुरू करता है, और हर कोई इसे अपना लेता है, और आमतौर पर इसके खिलाफ जाने वाला कोई नहीं होता।

हर परिवार अपने-अपने डेरे के द्वार पर रो रहा है। प्रभु बहुत क्रोधित हो गया, और यहाँ अगले खंड का शाब्दिक अनुवाद है, जो यह है कि यह मूसा की नज़र में बुरा था। यह मूसा की नज़र में बुरा था।

और इसलिए, वह भगवान से कहता है, आप जानते हैं, आप मेरे साथ ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्या मैंने यह सब माँगा था? क्या मैंने इन सभी लोगों के साथ काठी पर बैठने के लिए कहा था? और इसलिए, भगवान दो तरीकों से जवाब देते हैं, जिनमें से एक है बटेर भेजना। अब, याद रखें, हमने निर्गमन 16 में मन्ना के साथ बटेर को भी उड़ते हुए देखा था, और मैंने उस संदर्भ में सुझाव दिया कि यह एक मौसमी बात हो सकती है। आप जानते हैं, पक्षी अपने वार्षिक प्रवास पर सिनाई प्रायद्वीप में जा रहे थे, जो होता है।

लेकिन इस बार, बटेर झुंड में आते हैं, और लोग, जैसा कि आप इस कहानी को पढ़कर जानते हैं, इतने लालची हैं, वे अपनी लालसा को पूरा कर रहे हैं, और इसलिए, वे बहुत अधिक खा रहे हैं, और वे बीमार हो जाते हैं। वे प्लेग से पीड़ित हैं। इसलिए, भगवान उन्हें उस संदर्भ में दंडित करने जा रहे हैं।

वह उन्हें वह देता है जिसकी उन्हें चाहत होती है, लेकिन इसका इस्तेमाल उन्हें थोड़ा सबक सिखाने के लिए भी करता है। आप जानते हैं, हम खुद ऐसा पाते हैं। भगवान हमें कभी-कभी वह देता है जो हमें लगता है कि हम चाहते हैं, जिसकी हमें चाहत है, लेकिन फिर वह इसे एक शैक्षिक प्रणाली के हिस्से के रूप में भी इस्तेमाल करेगा।

हालाँकि, दूसरी बात जो वह करता है, वह है मूसा की थोड़ी मदद करना क्योंकि मूसा ने इन सभी लोगों का भार महसूस किया है। और इसलिए मूल रूप से, प्रभु कहते हैं, ठीक है, श्लोक 16, मेरे पास इस्राएल के 70 बुजुर्गों को लाओ। उन्हें सभा के तम्बू में लाओ।

मैं नीचे आऊँगा और वहाँ तुमसे बात करूँगा, और जो आत्मा तुम पर है, उसे मैं उन पर डालूँगा। वे इस बोझ को उठाने में तुम्हारी मदद करेंगे। तो फिर से, यह एक तरह से वही बात है जो हमने मूसा को जेथ्रो की सलाह के साथ देखी थी।

यहाँ हम फिर से वही देख रहे हैं, लेकिन इस बार, प्रभु कह रहे हैं कि सुनिश्चित करें कि हर कोई जानता हो कि वे लोग तुम्हारे लिए मेरे द्वारा नियुक्त सहायक हैं। मैं उन पर अपनी आत्मा डालूँगा, और वे भविष्यवाणी करेंगे। अब, ज़ाहिर है, दिलचस्प बात यह है कि आप इस अध्याय को पढ़ते हैं, और कुछ लोग दिखाई नहीं देते हैं।

उनके नाम एलदाद और मेदाद हैं। और परमेश्वर, अपनी दया में भी, उन दोनों पर अपनी आत्मा भेजता है, और वे शिविर में भविष्यवाणी कर रहे हैं। तो, अब आपके पास लोगों का एक समूह है जो मूसा की मदद करने के लिए नियुक्त हैं, और वे इसके लिए जाने जाते हैं क्योंकि आत्मा उन पर आई है, और इसका सबूत है।

जब वे भविष्यवाणी करते हैं, तो लोग उनके कथनों को परमेश्वर की आत्मा के इन लोगों पर होने के प्रमाण के रूप में पहचानते हैं। तो यह परमेश्वर की प्रतिक्रिया है। और फिर, इसमें कुछ सज़ा भी अंतर्निहित है।

उन्हें उस समय तक यह जान लेना चाहिए था कि इस तरह की हरकतें करने से बेहतर क्या है। खैर, चलिए आगे बढ़ते हैं। मुझे पता है कि मैं इनमें से कुछ चीजों से काफी जल्दी गुजर रहा हूँ।

हमारी अगली घटना दिलचस्प है। मैं इसे आपके लिए पढ़ने जा रहा हूँ क्योंकि यह एक छोटा अध्याय है, और फिर हम इसके बारे में थोड़ी बात करेंगे। और मैं पहले श्लोक में बहुत शाब्दिक होने जा रहा हूँ, बहुत शाब्दिक।

यह दर्दनाक रूप से शाब्दिक होने जा रहा है। यह अजीब होने जा रहा है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है। और मरियम और हारून ने मूसा के खिलाफ़ बोलना शुरू कर दिया।

क्या आप मेरी कही गई बातों और आपकी NIV में लिखी बातों के बीच का अंतर समझ रहे हैं? मुझे इसे फिर से करने दें, और फिर हम आगे बढ़ेंगे। और मरियम और हारून ने मूसा के खिलाफ़ बात करना शुरू कर दिया, क्योंकि उसकी पत्नी कुशी थी, क्योंकि उसने एक कुशी से शादी की थी। और उसने कहा, उन्होंने कहा, क्या यहोवा ने केवल मूसा के ज़रिए ही बात की है? क्या उसने हमारे ज़रिए भी बात नहीं की है? और यहोवा ने यह सुना।

अब, मूसा एक बहुत ही विनम्र व्यक्ति था, जो पृथ्वी पर किसी और से भी ज़्यादा विनम्र था। तुरंत, प्रभु ने कहा, हम उस पर वापस आने वाले हैं। प्रभु ने मूसा और हारून और मरियम से कहा, तुम तीनों मिलन के तम्बू के पास आओ।

वे बाहर आए। प्रभु एक खंभे पर से उतरकर आए और फिर उन्होंने कहा, "मेरे वचन सुनो। जब प्रभु का कोई नबी तुम्हारे बीच में होता है, तो मैं उसे दर्शनों के द्वारा अपने आप को प्रकट करता हूँ।"

मैं उससे सपनों में बात करता हूँ। यह मूसा के बारे में सच नहीं है। मैं उसके साथ मुँह से मुँह बात करता हूँ।

मैं जानता हूँ कि आपकी NIV आमने-सामने बात करती है, लेकिन शाब्दिक रूप से, यह मुँह से मुँह की बात है। मैं उसके साथ मुँह से मुँह की बात करता हूँ, स्पष्ट रूप से और पहेलियों में नहीं। वह प्रभु के रूप को देखता है।

फिर तुम मूसा के विरुद्ध बोलने से क्यों नहीं डरते? यहोवा का क्रोध उस पर भड़क उठा। तम्बू के ऊपर से बादल उठ गया। मरियम को कोढ़ हो गया।

यह बर्फ़ की तरह है। हारून इसे देखता है। वह मूसा से कहता है, ओह, इस पाप को हमारे खिलाफ़ मत रखो।

हम मूर्ख हैं। उसे मृत शिशु की तरह मत रहने दो। मूसा ने प्रभु से प्रार्थना की।

अरे, कृपया उसे ठीक कर दो। प्रभु कहते हैं, अगर उसके पिता ने उसके चेहरे पर थूका होता, तो क्या वह सात दिनों तक बदनाम नहीं होती? उसे कैद कर लो। सात दिनों के बाद, उसे वापस लाया जा सकता है।

मिरियम को बंधक बना लिया गया है। लोग आगे नहीं बढ़ रहे हैं। और फिर आखिरकार वे आगे बढ़ते हैं।

अब, जब आप यह कहानी सुनते हैं तो आपके मन में क्या सवाल आते हैं? अब समय आ गया है कि आप बात करें। चेल्सी। हाँ, यह एक आम सवाल है, और यह एक अच्छा सवाल है।

ऐसा क्यों है कि मरियम को यह सज़ा मिलती है? मरियम और हारून दोनों को क्यों नहीं? अब, क्या मैंने जिस तरह से पहली आयत पढ़ी, उससे आपको कोई संकेत मिला ? हाँ, निक। हाँ, दिलचस्प बात यह है कि क्रिया का रूप। हिब्रू में क्रिया के रूप अंग्रेजी से थोड़े अलग हैं।

उन्होंने उनमें व्यक्ति, संख्या और लिंग का निर्माण किया है। और यहाँ क्रिया का रूप स्त्रीलिंग एकवचन है क्योंकि यह पूरी चीज़ की शुरुआत करता है। यह इस विशेष वाक्य, श्लोक, अध्याय, इत्यादि में सबसे पहला शब्द है।

यह सबसे पहला शब्द है क्योंकि क्रियाएँ आमतौर पर पहले आती हैं। और यह कहता है, और उसने बात की। और फिर यह कहता है मरियम। और फिर यह कहता है, और हारून। और फिर यह कहता है, मूसा के विरुद्ध। तो, आप बिल्कुल सही हैं।

अब, यह सिर्फ़ एक जगह नहीं है जहाँ ऐसा होता है। उदाहरण के लिए, अगर हम निर्गमन अध्याय 15 में मूसा के गीत पर वापस जाएँ, तो उस गीत को याद करें जहाँ लिखा है, अगर आप अपना NIV पढ़ें, और मूसा और सारे इस्राएल ने यह गीत गाया। लेकिन यह हिब्रू में शुरू होता है, और उसने यह गीत सारे इस्राएल के लिए गाया।

लेकिन यहाँ भी ऐसा ही है। उसे किसी तरह से परेशान किया जा रहा है। भले ही वे दोनों इसमें एक साथ हैं, लेकिन क्रिया उसे परेशान करती है।

यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि, आम तौर पर, अगर दो लिंग शामिल हैं, एक पुरुष और एक महिला, तो पुरुष प्रमुख होता है। मौखिक रूप प्रमुख होता है। यह एक पुल्लिंग रूप होगा।

यहाँ यह स्त्रीलिंग है। तो, इससे हमें कुछ पता चल सकता है, चेल्सी। क्या आपको यह उत्तर पसंद आया? क्या यह चलेगा? हो सकता है कि कुछ और भी चल रहा हो।

मेरा मतलब है, हमें सिर्फ़ एकतरफ़ा जवाब देने की ज़रूरत नहीं है। वह सबसे बड़ी है। यह इसका एक हिस्सा हो सकता है।

इस मामले में मरियम, हारून और मूसा का नाम आता है। और साथ ही, हारून, जो कि नियुक्त महायाजक है, के लिए कुछ रोग होने के बाद तम्बू में सेवा करना मुश्किल, बल्कि असंभव होगा। है न? तो यह पूरी अशुद्धता भी एक कठिनाई होगी।

लेकिन मुझे लगता है कि ये तीनों बातें शामिल हैं। कोई और सवाल? मैंने देखा कि जब मैंने श्लोक 3 पढ़ा तो आप में से कुछ लोग मुस्कुरा रहे थे। सारा, तुम मुस्कुरा रही थी। हाँ, हम देखते हैं कि क्या मूसा ने यह पाठ लिखा है, और निश्चित रूप से, आपके NIV ने इसे कोष्ठक में रखा है, लेकिन अगर मूसा ने यह पाठ लिखा है, तो यह कहना शायद थोड़ा अजीब लगता है, और वह बहुत विनम्र व्यक्ति है, पृथ्वी पर किसी से भी अधिक विनम्र।

क्या आपको परेशानी है? आप इसका उत्तर कैसे देना चाहते हैं? कोई उत्तर है? दो संभावनाएँ हैं, जैक। संभवतः, कोई बाद में लिख रहा था, जैसे कि व्यवस्थाविवरण 34 में मूसा की मृत्यु बाद में लिखी गई है। शायद यहाँ।

संभवतः कुछ और बदलाव भी हुए हैं। और क्या? यहाँ जिस शब्द का अनुवाद नम्र किया गया है उसका मतलब पीड़ित भी हो सकता है।

और सच कहूँ तो, मुझे यह विचार पसंद आया कि मूसा यह लिख रहा है, और वह इस समय वास्तव में परेशान महसूस कर रहा है। और उसने अभी तक इसका आधा भी नहीं देखा है। अध्याय 24 तक पहुँचने तक प्रतीक्षा करें।

नहीं, माफ़ करें, 21. है न? लेकिन इसका मतलब सिर्फ़ यह हो सकता है कि इस समय वह पीड़ित, पीड़ित, गरीब महसूस कर रहा है। इसका मतलब गरीब भी है।

और अगर यह सच है, तो परमेश्वर अपनी परम दया में, मूसा के साथ आगे जो कहता है, मैं मुँह से मुँह बात करता हूँ। तो, मूसा को ऐसा लग रहा है कि उसे बुरी तरह पीटा गया है, और परमेश्वर, उस घोषणा के साथ, उसे फिर से ऊपर उठाने जा रहा है। इसे देखने का एक तरीका यह है।

आप शायद रेडैक्टर मार्ग पर भी जाना चाहें। मुझे यकीन नहीं है कि यह पूरी तरह से आवश्यक है, लेकिन यह एक संभावना है। यह एक संभावना है।

वैसे भी, हमारे पास मूसा है। वैसे, याद रखें कि हारून ही वह व्यक्ति है जिसे मध्यस्थता करनी चाहिए? यह उसकी पुरोहिती भूमिका है। उसे मध्यस्थता करनी चाहिए।

लेकिन यहाँ मूसा इस संदर्भ में मध्यस्थता कर रहा है, खास तौर पर मरियम की ओर से, क्योंकि वे दोनों काफ़ी हद तक विफल रहे हैं। क्या इस अंश के बारे में कोई और बात है जो एक दिलचस्प मुद्दा है? आप मूसा की पत्नी को कौन जानते हैं? उसका नाम ज़ेड से शुरू होता है। सिप्पोरा। और वह कहाँ से है? मिद्यान से।

तो, हम जिस कुशीत पत्नी के बारे में बात कर रहे हैं, वह कौन है? यह एक अच्छा सवाल है, है न? फिर से, केवल दो संभावनाएँ हैं। और फिर, वैसे, हम यहाँ आगे बढ़ेंगे। कुछ लोग सुझाव देते हैं

कि अध्याय 4 के अंत में उस बहुत ही अजीब घटना के बाद, जहाँ उसे अपने बेटे का खतना करना पड़ता है क्योंकि, याद रखें, प्रभु मिस्र वापस जाते समय उनसे मिलते हैं, और वह किसी को मारने वाले होते हैं, या तो मूसा को या बेटे को? कुछ लोग सुझाव देते हैं कि यह इतना अप्रिय और इतना भयानक है कि न केवल वह घर वापस चली जाती है, क्योंकि हम जानते हैं कि वह सभी निर्गमन घटनाओं के दौरान अपने पिता के साथ घर वापस आ गई है, बल्कि शायद वह बस दूर ही रहती है।

इस संदर्भ में, शायद मूसा ने कुशीत पत्नी से विवाह किया था। क्या आप जानते हैं कि कुश कहाँ है? यह वही है जिसे हम आधुनिक इथियोपिया के रूप में जानते हैं, जो मिस्र के दक्षिण में है। तो यह एक संभावना है।

हालाँकि, यह कहने के बाद यहाँ एक और दिलचस्प बात है। कुछ जगहों पर, और, ज़ाहिर है, अब जब मैंने यह कहा है, तो मुझे याद नहीं आ रहा है। यह एक छोटा भविष्यवक्ता है, और यह या तो हबक्कूक या सपन्याह है, इसलिए इसे मत लिखिए।

मैं जाकर इसकी जाँच करूँगा। टेड, तुम मेरी इसमें मदद कर सकते हो। एक समानता है जो मिडियन के समानांतर कुश का उपयोग करती है।

क्या यह दिलचस्प नहीं है? तो शायद यह उसी महिला को संदर्भित कर रहा है, और उसने एक कुशीत पत्नी से विवाह किया है, उसने एक मिद्यानी पत्नी से विवाह किया है। वे इस बात से खुश नहीं हैं कि उसने इस्राएल के बाहर विवाह किया है। और इसलिए शायद वे बहुत पहले से ही इस सिप्पोरा से थोड़े परेशान हैं जो एक इस्राएली पत्नी नहीं है।

यह इसे देखने का एक और संभावित तरीका है। यहाँ दिलचस्प मुद्दा है। यह वास्तव में समस्या नहीं है।

वे कहते हैं कि यह शुरुआत में है, लेकिन फिर मुद्दा क्या है? मुद्दा अभिमान है। क्या परमेश्वर ने केवल मूसा के माध्यम से बात की है? हमारे बारे में क्या? जब आप पाठ में पढ़ते रहते हैं तो वास्तव में यही मुद्दा है। वैसे भी, ये पाठ को बारीकी से पढ़ने और इसके कुछ मज़ेदार पहलुओं को संबोधित करने के कुछ दिलचस्प उदाहरण हैं।

क्या उस अध्याय में और कुछ है? हाँ। वह अध्याय 12 है। हाँ, अध्याय 12।

खैर, अध्याय 13 और 14 भी दिलचस्प हैं। हमारे पास मूसा का विकल्प है कि वह जासूसों को देश में भेजे या जासूसों को देश में भेजने का आदेश दे। बस कुछ बातें हैं जिन पर हम यहाँ ध्यान देना चाहते हैं।

अध्याय 13, श्लोक 3, वे सभी इस्राएल में नेता थे। वे सभी नेता हैं। वे कोई भी बूढ़े लोग नहीं हैं जो अच्छे जासूस हैं।

वे सभी नेता हैं। उनमें से दो जोशुआ और कालेब हैं। जब वे वापस आते हैं, तो वे इस देश से फलों की एक शानदार किस्म लेकर आते हैं।

और याद रखें कि वे अब कहाँ भटक रहे हैं। उन तस्वीरों के बारे में सोचें जो मैंने आपको दिखाई थीं। और फिर सोचें कि अंगूर के बड़े-बड़े गुच्छों और इस बात की रिपोर्ट के साथ वापस आना कितना सुंदर लगेगा कि यह कितना शानदार, हरा-भरा देश है।

दूध और शहद से भरी भूमि। यही अभिव्यक्ति है। और फिर भी, उन्होंने क्या देखा है? वहाँ क्या डरावना है? इसे फिर से कहो।

हाँ, वहाँ कुछ लोग थोड़े बड़े हैं, है न? हमने वहाँ अनाक के वंशजों को भी देखा। ये सभी लोग बहुत बड़े आकार के हैं। हमने नेफिलिम को भी देखा।

क्या आपको वह शब्द याद है? नेफिलिम कहाँ दिखाई देता है? उत्पत्ति 6-4. सही है। अनाक के वंशज नेफिलिम से आते हैं।

हम अपनी ही नज़र में टिड्डे जैसे लगते हैं, और हम उन्हें भी वैसे ही लगते हैं। इसलिए वे डरावने हैं - डरावने लोग।

दिग्गजों का सामना करना पड़ा। और क्या है? वैसे, पुरातत्व ने इसका प्रमाण दे दिया है। उन्हें कोई दिग्गज नहीं मिला है।

लेकिन अध्याय 13 की श्लोक 28 पर ध्यान दें। वहाँ रहने वाले लोग शक्तिशाली हैं, और शहर किलेबंद और बहुत बड़े हैं। ये लेट कांस्य युग, ठीक है, मध्य कांस्य, और फिर लेट कांस्य युग के शहर बस उन पर विशाल किलेबंदी थे।

तो, इस्राएली इस पर विचार कर रहे हैं, और वे अर्ध-खानाबदोश हैं। और उन्हें नहीं लगता कि वे ऐसा कर सकते हैं। और इसलिए, जैसा कि आप जानते हैं, अध्याय 14 में पढ़ते हुए, जोशुआ और कालेब को छोड़कर हर कोई कहता है, नहीं, लोग ऐसा नहीं कर सकते।

और वे लोगों को समझाते हैं कि वे ऐसा नहीं करेंगे। अब, दुखद बात यह है कि, बेशक, पूरी सभा, अध्याय 14, श्लोक 10, मूसा और हारून को पत्थर मारने की बात करती है। लेकिन प्रभु की महिमा सभा के तम्बू में प्रकट होती है, और प्रभु कहते हैं, ये लोग कब तक मेरा अपमान करेंगे? वह कहते हैं कि मैं उन्हें मिटाने जा रहा हूँ।

मूसा ने फिर से मध्यस्थता की और हमारे लिए यह सबक है। नेतृत्व की स्थिति में, जब चीजें ठीक नहीं होती हैं तो अपना सामान बांधकर भाग जाने के बजाय, मूसा हमेशा अपने लोगों की ओर से मध्यस्थता करेगा। यह एक अद्भुत बात है।

भगवान उन्हें माफ कर देते हैं। श्लोक 20, मैंने उन्हें माफ कर दिया है। फिर भी, वे देश में नहीं जा रहे हैं।

20 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी लोग मरने वाले हैं। और वे 40 वर्षों तक भटकते रहेंगे। इसलिए, अवज्ञा के उस विशेष उदाहरण का दुखद परिणाम हुआ।

यहाँ एक दिलचस्प बात यह भी है। जब आप अध्याय 14 का अंत पढ़ते हैं, तो याद रखें कि क्या हुआ? उन्हें सज़ा महसूस हुई, और फिर उन्होंने कहा, चलो आखिरकार ऊपर चलते हैं। और प्रभु कहते हैं, नहीं, तुम ऊपर नहीं जाओगे।

लेकिन वे क्या करते हैं? आखिरकार वे ऊपर जाते हैं, और फिर, ज़ाहिर है, वे वहाँ एक लड़ाई हार जाते हैं। यह दिलचस्प है क्योंकि, मेरा मतलब है, मैं आपके बारे में नहीं जानता, लेकिन मैं खुद को हर समय इसमें देखता हूँ। जो कुछ भी भगवान कहते हैं उसे मत करो, खैर, हम करते हैं।

यह वाकई बहुत ही गलत है, लेकिन लोग ऐसे ही होते हैं। अध्याय 16, ओह, और एक बात जो मुझे कहना है। जब आप संख्याएँ पढ़ते हैं, तो यह देखना दिलचस्प होता है कि किस तरह से कानूनी निर्देशों के ये छोटे-छोटे अंश कथाओं के बीच में समाहित हैं।

अध्याय 14 में कहा गया है कि 20 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोग मर जाएंगे। आप एक पीढ़ी, 40 वर्ष तक भटकते रहेंगे। अध्याय 15 में उन सभी चीज़ों के बारे में बताया गया है जो उन्हें भूमि पर पहुँचने पर देनी चाहिए।

यह भगवान का यह कहने का तरीका है, तुम वहाँ पहुँच जाओगे। चिंता मत करो, तुम वहाँ पहुँच जाओगे। इसमें देरी होगी, लेकिन तुम वहाँ पहुँच जाओगे।

और जब तुम वहाँ पहुँचो, तो तुम मेरे प्रति अपनी आज्ञाकारिता और समर्पण दिखाने के लिए ये करो। तो, 15 बहुत ही रणनीतिक रूप से स्थित है। हम ऐसे ही कुछ अन्य स्थानों को भी देखेंगे।

खैर, अध्याय 16 विद्रोह का एक और दौर है। आइए देखें कि इस बार इसमें कौन शामिल है। ध्यान से सुनें।

कोरह ने अपनी वंशावली दी है। लेवी का बेटा, यह महत्वपूर्ण है। और कुछ रूबेनियों, दातान और अबीराम।

एलीआब के बेटे और पेल्ला के बेटे। यहाँ क्या मुद्दे हैं? और 250 अन्य लोग हैं जो नेता हैं। विद्रोह बढ़ रहा है।

यह बड़ा होता जा रहा है। इसकी शुरुआत तीन लोगों से हुई, दो लोग मूसा के खिलाफ थे। फिर हम आदिवासी नेताओं के पास गए।

अब हमारे पास 250 लोग शामिल हैं। लेकिन आपको क्या लगता है कि मुद्दे क्या हो सकते हैं? या कम से कम उनमें से कुछ। यह केवल पुजारी का विशेष पद नहीं है, हालाँकि यह बड़ा मुद्दा है।

लेकिन सुनो, कुछ रूबेनियों। क्या तुम्हारे एंटेना हिल रहे हैं? हिल रहे हैं? कुछ भी जो रूबेनियों को मूसा के खिलाफ़ मामला दर्ज करने के लिए प्रेरित कर सकता है, ट्रेवर? और याद रखो, और वह ज्येष्ठ पुत्र है, है न? वह ज्येष्ठ पुत्र था और अपने पाप के कारण उसने ज्येष्ठ पुत्र होने के अपने अधिकार खो दिए। और तुम सोच रहे हो, ओह, चलो।

यह 400 साल पहले की बात है। लेकिन एक अलग संस्कृति के बारे में सोचिए। ऐसी संस्कृति के बारे में सोचिए जहाँ आदिवासी मुद्दे लगातार महत्वपूर्ण होते हैं।

जैसा कि आप जानते होंगे, अगर आप मध्य पूर्व में आज चल रही चीज़ों पर नज़र डालें, तो पाएंगे कि जनजातीय मुद्दे पीढ़ी दर पीढ़ी चलते रहते हैं। वे वाकई चलते हैं। और इसलिए यह एक जनजातीय मुद्दा था।

और इसलिए, यह बिल्कुल भी आश्चर्यजनक नहीं है कि इस पूरे मामले में कुछ रूबेन के लोग भी होंगे जो मूसा और हारून के खिलाफ़ भड़का रहे हैं। वे भी कुछ नेतृत्व चाहते हैं। उनका कबीला इसके लायक है, वगैरह, वगैरह।

तो, आपको यह मिल गया है। आपके पास 250 लोग हैं, जाने-माने सामुदायिक नेता। उन्हें परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है।

और किसी भी दर पर, वे यह सब शुरू करते हैं। और जब आप थोड़ा आगे पढ़ेंगे तो हम सीखते हैं, मैं श्लोक 9 से शुरू करने जा रहा हूँ और श्लोक 10 भी पढ़ूँगा। इस बिंदु पर मूसा कोरह से बात कर रहा है, जो वास्तव में उकसाने वाली शक्ति प्रतीत होता है।

क्या यह तुम्हारे लिए काफी है कि इस्राएल के परमेश्वर ने तुम्हें अलग कर दिया है? याद रखो, वह एक लेवी है। उसने तुम्हें बाकी इस्राएली समुदाय से अलग कर दिया है। उसने तुम्हें प्रभु का काम करने, तम्बू में रहने, खड़े होकर सेवा करने के लिए अपने पास लाया है।

लेकिन अब, श्लोक 10, अब आप पुरोहिताई भी पाने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए, वे अपने पद से संतुष्ट नहीं हैं। वे कुछ और चाहते हैं।

वे मनुष्यों और ईश्वर के बीच मध्यस्थता करने वाले लोगों की स्थिति चाहते हैं क्योंकि यही पुजारी करते थे। और यही कोरह और उसके अनुयायी, लेवीय, कर रहे हैं। आम तौर पर, हम कभी भी ईश्वर द्वारा दी गई चीज़ों से संतुष्ट नहीं होते हैं, और हमेशा प्रतिस्पर्धा बनी रहती है।

एक चीज़ जो आप निरंतर आधार पर देखते हैं वह है नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा। इस संदर्भ में यह बहुत अच्छी बात नहीं है। खैर, किसी भी दर पर, परमेश्वर एक परीक्षा निर्धारित करता है, श्लोक 17।

हर एक व्यक्ति, हर एक आदमी को अपना धूपदान लेना है, उसमें धूप डालना है, कुल 250 लोग, उसे यहोवा के सामने पेश करना है। तुम और हारून भी ऐसा ही करो। कोरह अपने सभी अनुयायियों को इकट्ठा करता है।

वे विरोध में हैं। पाठ कहता है कि वे विरोध में हैं। प्रभु मूसा और हारून से कहते हैं, तुम अलग हो जाओ।

कुछ बुरा होने वाला है। मूसा और हारून प्रार्थना करते हैं। फिर से, इस तथ्य को नज़रअंदाज़ न करें कि वे इन लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

मेरा झुकाव अपनी किताब को बंद करके बाहर निकलने और यह कहने का होगा कि मैं कहीं और जा रहा हूँ। लेकिन वे उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। लेकिन फिर, श्लोक 28 में, मूसा कहता है, इस तरह से तुम जानोगे कि प्रभु ने मुझे ये सब करने के लिए भेजा है और यह मेरा विचार नहीं था।

वैसे, इस पर ध्यान दीजिए। मैं एक मिनट में इस पर वापस आऊंगा। इस तरह आप जान पाएंगे कि यह काम भगवान ने किया है।

यदि ये लोग स्वाभाविक मृत्यु मरते हैं और केवल वही अनुभव करते हैं जो मनुष्यों के साथ होता है, तो प्रभु ने ऐसा नहीं किया है। लेकिन यदि प्रभु उन्हें धरती में निगल जाता है, तो वे अधोलोक में चले जाते हैं। तब तुम जानोगे कि यह परमेश्वर का काम है क्योंकि इन लोगों ने प्रभु का अपमान किया है।

क्या हुआ? धरती फट गई। कोरह के लोग मारे गए। वैसे, कोरह की वंशावली खत्म नहीं हुई।

यह हर किसी के लिए नहीं है। यह कोरह के लोग हैं। मेरा मानना है कि हम गिनती 26, आयत 11 से सीखते हैं।

कोरह की वंशावली खत्म नहीं हुई है। लेकिन किसी भी हालत में, वे वहाँ चले गए। हाँ, केटी।

हाँ, हाँ, बिल्कुल। कोरह के बेटे कई भजनों के लिए जिम्मेदार हैं जो 80 के दशक में दिखाई देते हैं। और, कुछ मायनों में, अधिकांश विद्वानों का कहना है कि यह उनके पुनर्जीवित होने का एक तरीका है।

यह सही शब्द नहीं है। लेकिन, आप जानते हैं, उनके साथ जो हुआ उसके बाद उन्हें फिर से सम्मान के स्थान पर वापस लाया गया। लेकिन यह वही लाइन लगती है।

बहुत बढ़िया। इतना ही नहीं, आपके पास श्लोक 35 है। आग निकलती है और 250 लोगों को भस्म कर देती है।

हाँ, जिंजर। कोरह कौन है? वह एक लेवी है। वास्तव में, यह पहली बार है जब हम उसके बारे में जानते हैं, अध्याय 16 में।

यह हमें थोड़ी वंशावली देता है। हम बस इतना जानते हैं कि वह लेवी के गोत्र से है। इसलिए, उसे पहले से ही काफी ऊंचा स्थान मिला हुआ है क्योंकि लेवियों के पास निवासस्थान की देखभाल करने के मामले में कुछ कद था, वगैरह।

लेकिन वह और अधिक चाहता है। और वह और अधिक पाने के लिए विद्रोह का नेतृत्व कर रहा है। हाँ।

नहीं, यह कोई बेवकूफी भरा सवाल नहीं है। पूछने के लिए शुक्रिया। अब, जब इतनी सारी सज़ाएँ हो रही हैं, तो ध्यान दें कि लोग क्या कहते हैं।

अगले दिन, श्लोक 41 में, पूरे इस्राएली समुदाय ने मूसा और हारून के खिलाफ़ बड़बड़ाना शुरू कर दिया और कहा, क्या तुम इसके लिए तैयार हो? तुमने प्रभु के लोगों को मार डाला है। जब मूसा ने स्पष्ट रूप से कहा था कि तुम यह जानोगे कि मैं नहीं, यह परमेश्वर है क्योंकि तुमने उसके साथ अवमाननापूर्ण व्यवहार किया है। लोग वापस आए और कहा, तुमने उसे मार डाला।

और फिर एक महामारी फैल जाती है। ध्यान दें कि हारून ही जीवित और मृत लोगों के बीच खड़ा है, पुजारी और मध्यस्थ के रूप में सेवा कर रहा है। तो, उस संदर्भ में, वह, बहुत ही वास्तविक अर्थ में, वही कर रहा है जो उसकी भूमिका के लिए परिभाषित किया गया है।

अब, अध्याय 17 इस बात की पुष्टि करने जा रहा है कि यह वास्तव में हारून और हारून की वंशावली है जो पुजारी के रूप में काम करेगी क्योंकि आपके पास हारून की छड़ी को जनजातियों की बाकी छड़ियों के साथ रखने की वह दिलचस्प घटना थी और हारून की छड़ी में कलियाँ निकलेंगी। और यह इसका प्रदर्शन करने जा रहा है। प्रभु कहते हैं, अध्याय 17 की आयत 10, गवाही के सामने हारून की छड़ी को वापस रख दो ताकि यह उनके लिए एक संकेत हो।

खैर, यही कहानी है। यह एक निराशाजनक दिन है, है न? क्योंकि हम इन लोगों की ओर से इस तरह के घृणित विद्रोह को देखते हैं। लेकिन यहाँ सबक भी हैं।

इसमें कुछ सबक हैं। चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं - आगे की घटनाएँ।

चट्टान से पानी, अध्याय 20. वे कादेश, कादेश बरनेआ पहुँचते हैं। यह मरियम है, जो इस संदर्भ में यहाँ मर जाती है।

तो अब वह दृश्य से बाहर होने जा रही है। लेकिन यहाँ हमारे पास एक और घटना है जहाँ उनके पास पर्याप्त पानी नहीं है, और लोग शिकायत कर रहे हैं। और प्रभु मूसा से कहते हैं, श्लोक 8, छड़ी ले लो, चट्टान से बात करो।

उनकी आँखों के सामने, यह पानी बरसाएगा, और आप समुदाय के लिए चट्टान से पानी निकालेंगे। मूसा ने क्या गलत किया? चट्टान से बात करने के बजाय, उसने क्या किया? उसने उस पर दो बार प्रहार किया। अब कुछ मायनों में वह निर्गमन 17 के पैटर्न पर चल रहा है।

क्योंकि याद रखें कि उस संदर्भ में प्रभु ने कहा था कि चट्टान पर प्रहार करो। लेकिन मूसा ने बहुत ध्यान से नहीं सुना। परमेश्वर ने कहा कि चट्टान से बात करो।

और मूसा न केवल प्रहार करता है, बल्कि वह क्रोध में ऐसा करता है। और वह लोगों से कहता है, सुनो विद्रोहियों, क्या हमें इस चट्टान से तुम्हारे लिए पानी निकालना चाहिए? ऐसा लगता है कि वह ऐसा करने की जिम्मेदारी ले रहा है। और यह निश्चित रूप से एक क्रोधित प्रतिक्रिया है।

और परमेश्वर कहेगा, तुमने मुझे पवित्र नहीं माना। इसके परिणामस्वरूप, मूसा को लोगों के साथ देश में जाने की अनुमति नहीं दी गई। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में इस घटना के बारे में और भी बहुत कुछ कहा गया है।

लेकिन यहाँ मुख्य बात यह है कि इस संदर्भ में मूसा ने परमेश्वर को पवित्र नहीं माना है। और यह गंभीर मामला है। चाहे कुछ भी हो, हमें परमेश्वर को पवित्र मानना चाहिए, खास तौर पर नेतृत्व के पदों पर।

खैर, जैसा कि मैं आपको मानचित्र पर दिखा रहा था, मैंने कहा कि वे एदोम के आसपास भी अपना रास्ता बनाते हैं। वे आगे जाने के लिए कहते हैं। याद रखें, पानी यहाँ एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

और वे यह भी कहते हैं, अरे, हम तुम्हारे कुओं से पानी नहीं पीने जा रहे हैं, वगैरह। लेकिन एदोम का राजा कहता है, नहीं, हम तुम्हें नहीं चाहते। इसलिए, वे बाहर निकलकर, शायद दक्षिण की ओर और फिर रेगिस्तानी राजमार्ग के साथ पूर्व की ओर जाने वाले हैं।

हमारे पास दो और घटनाएँ हैं जिनसे हमें वास्तव में निपटना है, और फिर हम व्यवस्थाविवरण को समाप्त करने के बारे में बात करेंगे। लेकिन साँप की घटना उनमें से एक है। यह अध्याय 21 है।

और मैं आपके लिए यह पढ़ना चाहता हूँ। वे फिर से शिकायत कर रहे हैं। रोटी नहीं है।

वहाँ पानी नहीं है। हम इस घटिया भोजन, मन्ना से घृणा करते हैं। इसलिए, प्रभु उनके बीच ज़हरीले साँप भेजते हैं।

याद है वह छोटी सी तस्वीर जो मैंने तुम्हें दिखाई थी? उन्होंने लोगों को काटा और बहुत से इस्राएली मारे गए। लोग मूसा के पास आए और कहा, हमने पाप किया जब हमने यहोवा और आपके विरुद्ध बातें कीं।

प्रार्थना करें कि प्रभु साँपों को हमसे दूर कर दें। इसलिए, हमेशा की तरह, मूसा ने लोगों के लिए प्रार्थना की। और अब हमारे पास यह दिलचस्प निर्देश है।

प्रभु ने मूसा से कहा कि वह एक साँप बनाए और उसे एक खंभे पर लटका दे ताकि जो कोई भी काटे, वह उसे देख सके और बच सके। इसलिए, मूसा ने एक पीतल का साँप बनाया। और वास्तव में, वहाँ शब्द आग की तरह की माचिस है नेकोशेत, तांबा, कांस्य।

यह विषैले साँपों से मेल खाता है जिसे हमने श्लोक 6 में देखा है। वैसे, उन्हें सेराफिम कहा जाता है। दिलचस्प बात यह है कि यह शब्द वहाँ है। उसने एक पीतल का साँप बनाया, उसे एक खंभे पर लटका दिया, और जो कोई भी साँप के उसने पर इस चीज़ को देखता था, वह बच जाता था।

वहाँ क्या हो रहा है? मेरा मतलब है, बस इसे थोड़ा खोलकर देखें। भगवान क्या है? भगवान उसे जो करने के लिए कहते हैं, उसमें ऐसी क्या असामान्य बात है? हाँ, सुझाना। हाँ, मेरा मतलब है, उन्होंने एक छवि जैसी चीज़ बनाई है।

और उन्हें इसे देखना चाहिए। और इसलिए आपका सुझाव बिल्कुल सही है। यह वास्तव में पूजा जैसा लग सकता है, है न? और वैसे, यह बाद में दिखाई देता है।

राजा हिजकिय्याह के समय में, जिसके बारे में हम लगभग डेढ़ महीने तक अध्ययन करने जा रहे हैं, लोग वास्तव में पूजा करते थे। उन्होंने इस चीज़ को सुरक्षित रखा, और वास्तव में इसकी पूजा की। और राजा हिजकिय्याह वास्तव में इसे नष्ट करने, इसे तोड़ने और इसी कारण से इसे खत्म करने जा रहा है।

लेकिन इस संदर्भ में, ऐसा नहीं लगता। लेकिन आप सही कह रहे हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण मुद्दा हो सकता है, है न? इस बारे में आपको और क्या बात खटकती है? हाँ, मैककेना।

हाँ, अच्छी बात है। साँप ने, ठीक है, मुझे कुछ बातें कहने दीजिए, लेकिन आप बिल्कुल सही हैं, उत्पत्ति 3 से ही। साँप दुश्मन है, है न? साँप वास्तव में उत्पत्ति 3 और उसके बाद मृत्यु के साधन हैं। तो स्पष्ट रूप से, यह एक अजीब बात लगती है।

अब, यह कहने के बाद, व्यापक संस्कृति में, आपके पास साँप के लिए एक तरह की अस्पष्ट प्रकृति है क्योंकि साँपों को कभी-कभी कुछ व्यापक सांस्कृतिक संदर्भों में उपचार के रूप में देखा जाता था। साँप मिस्र के देवताओं में से एक था, और कोबरा मिस्र के देवताओं में से एक था।

आप जानते हैं, फिरौन ने इसे अपने सिर पर पहना था। तो यह वहाँ एक मुद्दा था। लेकिन आप सही कह रहे हैं, यह थोड़ा अजीब लगता है क्योंकि इस्राएलियों की सांस्कृतिक विरासत का एक हिस्सा स्पष्ट रूप से इसे कुछ बुरा मानना है।

तो, यह कहने के बाद, मुझे थोड़ा आगे बढ़ने दें। क्या यह असंभव नहीं है कि भगवान कहें, तुम मुड़ो और उस पर देखो, और अगर तुम मुड़ो और उस पर देखो, तो तुम ठीक हो जाओगे? यह पूछने के लिए एक असंभव बात है, है न? मैककेना की बात अच्छी तरह से समझी गई है। यह बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा हम ध्यान का विषय और फिर उपचार का स्रोत मानेंगे।

क्या आप अब तक मेरे साथ हैं? ध्यान की वस्तु के संदर्भ में असंभव। उपचार के स्रोत के संदर्भ में असंभव। मैं इसे क्यों मार रहा हूँ? यह फिर से कहाँ दिखाई देता है? नया नियम।

आपके फुटनोट आपको क्या बताते हैं? हाँ, आगे बढ़ो। केट, यह केट है, है न? मैंने आपको पहले बेका कहा था। मुझे माफ़ करें।

मैं दबी हुई साँसों में कह रहा हूँ। केट। बिल्कुल सही।

जब आप निकोदेमुस को यीशु के पास आते हुए देखते हैं, यूहन्ना अध्याय 3, निकोदेमुस रात को आ रहा है, लेकिन उसके पास कुछ सवाल हैं। वह यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है, सच कहूँ तो, जब आप उस पूरे अध्याय को पढ़ते हैं, तो वह यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि क्या यह यीशु परमेश्वर के राज्य को लाने जा रहा है। मूल रूप से यही वह चीज़ है जिसमें उसकी दिलचस्पी है।

वे फिर से जन्म लेने की आवश्यकता के बारे में लगातार चर्चा करते हैं, और इसी तरह, और फिर यीशु वह उल्लेखनीय कथन देते हैं। यह यूहन्ना अध्याय 3, श्लोक 14 है, जो, जैसा कि आप जानते हैं, यूहन्ना 3.16 से ठीक पहले आता है, जिसे हम सभी ने बचपन में याद किया था। जिस तरह मूसा ने रेगिस्तान में साँप को ऊपर उठाया था, उसी तरह मनुष्य के पुत्र को भी ऊपर उठाया जाना चाहिए ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, उसे अनंत जीवन मिले।

और फिर 3.16, क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। यह वह श्लोक है जिसे हम सभी जानते हैं, लेकिन बड़ा संदर्भ जंगल में इस साँप की बात पर यीशु का इशारा है। अब, क्या आपको यहाँ की तस्वीर समझ में आई? जंगल के अनुभव में, यह आपका ध्यान केंद्रित करने के लिए एक असंभव वस्तु थी और उपचार का एक असंभव स्रोत था।

निकोदेमुस के संदर्भ में, और आप सभी यह जानते हैं क्योंकि आपके पास नया नियम है, वे किस तरह के राज्य की उम्मीद कर रहे थे? राजनीतिक। निश्चित रूप से किसी क्रूस पर चढ़ाए गए व्यक्ति द्वारा स्थापित नहीं किया गया। क्रूस पर चढ़ाए गए मसीहा को उनकी पूरी लोकप्रिय समझ में नहीं आने वाला था, और फिर भी यीशु कह रहे हैं कि मनुष्य का पुत्र ऊपर उठाया जाएगा, और वह क्रूस पर चढ़ाए जाने का उल्लेख कर रहे हैं।

बेशक, हमारी चिकित्सा का स्रोत उसी से आने वाला है। तो, यह एक अद्भुत छवि है, और यह यीशु के संदर्भ में समान प्रकार की चीज़ों को एक साथ खींचती है और पहले नियम में जो चल रहा था उसके आधार पर वहाँ की अपेक्षाएं। खैर, हमें आगे बढ़ने की जरूरत है।

करने के लिए और भी कई काम हैं। आज का हमारा अगला सवाल यह है: चलिए वापस नंबर 5 की ओर चलते हैं।

मुझे वहाँ पहुँचने दो। बालाम कौन है? एक मिनट रुको। चलो इसे थोड़ा सा तोड़ते हैं।

दूसरा सवाल। आप में से कितने लोग सोचते हैं कि बालाम प्रभु का पैगम्बर था? उन्हें ऊँचा उठाएँ। कितने लोग सोचते हैं कि बालाम प्रभु का पैगम्बर था? ठीक है, हमारे पास तीन मजबूत मतदाता हैं।

कितने लोग सोचते हैं कि बालाम प्रभु का भविष्यवक्ता नहीं था? इसका मतलब है कि बाकी सभी लोग क्योंकि कोई भी व्यक्ति इस बारे में अनिश्चित नहीं रह सकता। ठीक है, प्रभु का भविष्यवक्ता नहीं। क्या कोई यह जानना चाहता है कि क्यों? केटी, क्या आप प्रभु की भविष्यवक्ता थीं? क्या आपने उस स्थिति का बचाव करने की हिम्मत की? वह कुछ बहुत ही विशिष्ट भविष्यवाणियाँ करता है, है न? ठीक है, और वे भविष्यवाणियाँ क्या हैं? वे ऐसी चीजें हैं जो प्रभु ने उसे दी हैं।

हाँ, ठीक है। वास्तव में, उस आरंभिक आमंत्रण में, हम जानते हैं कि जिन लोगों को आप आशीर्वाद देते हैं वे धन्य हैं, और जिन लोगों को आप शाप देते हैं वे शापित हैं। तो, ऐसा लगता है कि वह प्रभु का भविष्यवक्ता है, है न? सभी चार भविष्यवाणियों में, वह वही बातें कह रहा है जो परमेश्वर ने उसे कहने के लिए दी हैं।

ठीक है, किसने इसके खिलाफ़ वोट दिया? कुछ बहुसंख्यक लोगों ने। कैरी, क्या आप बताना चाहती हैं कि क्यों? वह भविष्यवाणी का उपयोग करता है, हालाँकि जब हम पहुँचते हैं, तो मुझे लगता है कि यह तीसरा और चौथा भविष्यवक्ता है, ऐसा कहा जाता है, और उसने पहले की तरह भविष्यवाणी का उपयोग नहीं किया। लेकिन आप सही कह रहे हैं, यह एक मुद्दा है।

और कुछ? क्या वे नकारात्मक मतदाता हैं? ट्रेवर। मुझे लगता है कि भविष्यवक्ता बालाम को चुनते हैं। यह सच है, हालाँकि उसकी वह प्रतिष्ठा बनी हुई है, है न? मेरा मतलब है, जब बालाम को उसे यह संदेश भेजा है, तो ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बालाम की पहले से ही एक प्रतिष्ठा है, और किसी तरह उसका नाम यहोवा के साथ जुड़ा हुआ है।

मुझे पता है, लेकिन मैं यहाँ थोड़ा तर्कशील हूँ। मैं आपको पतरस से एक छोटा सा अंश पढ़कर सुनाता हूँ। यह 2 पतरस 2 है। जैसा कि आपको अपने नए नियम की कक्षा से याद होगा, 2 पतरस 2 का पूरा भाग झूठे शिक्षकों के बारे में है।

याद है? ठीक है। उन पर न्याय आने वाला है, वगैरह, वगैरह, वगैरह। श्लोक 15।

वे सीधे रास्ते को छोड़कर बोर के बेटे बिलाम के मार्ग पर चल पड़े हैं, जो दुष्टता की मजदूरी से प्यार करता था। लेकिन उसे उसके गलत कामों के लिए एक गधे ने डांटा, जो बोलने में असमर्थ जानवर था, जिसने मनुष्य की तरह बात की और नबी के पागलपन को रोक दिया। इसलिए, वह एक नबी है, लेकिन यहाँ पतरस उसे झूठा नबी, झूठा शिक्षक कह रहा है।

और इसलिए, हमें यह पता लगाना होगा कि ऐसा क्यों है, है न? यही काम है। तो, आइए हम घटनाओं का संक्षिप्त विवरण दें, संख्या 22 पर वापस जाएं। और हम इसे तेज़ी से पढ़ेंगे, और फिर आप वापस जाकर इसे देख सकते हैं।

मोआबियों और मिद्यानियों को बहुत डर लगता है क्योंकि इस्राएलियों की यह भीड़ उनके साथ आ जाती है। और इसलिए, जब पहला संदेश बालाम को मिलता है, तो उसका अंत कहता है, मैं जानता हूँ कि जिन्हें तुम आशीर्वाद देते हो वे धन्य हैं और जिन्हें तुम शाप देते हो वे शापित हैं। यही संदेश है, या संदेश का एक हिस्सा है।

वे एक शुल्क लेते हैं। यह भविष्यवाणी के लिए शुल्क है। वे बालाम के घर पहुँचते हैं, और बालाम कहता है, रात बिताओ।

मैं तुम्हें उत्तर वापस लाऊंगा, प्रभु। और शब्द, नाम यहोवा है। मैं तुम्हें वह उत्तर वापस लाऊंगा जो प्रभु मुझे देता है।

तो, केटी, कुछ गोला-बारूद है। यहाँ आपकी स्थिति की पुष्टि हो रही है। भगवान आए और कहा, ये लोग यहाँ क्या कर रहे हैं? और बालाम ने पूरी बात बताई, और भगवान ने कहा, मत जाओ।

मत जाओ। और इसलिए, वे लोगों को भेज देते हैं। लेकिन ज़ाहिर है, राजा इससे बिल्कुल खुश नहीं है।

और राजा उन्हें वापस भेज देता है, और उन्हें थोड़ा और पैसा मिल जाता है, है न? क्या तुम कुछ सुन रहे हो? पतरस कहता है कि दुष्टता की मजदूरी से प्रेम करो। ठीक है। तो बिलाम कहता है, ठीक है, मैं अपने प्रभु की आज्ञा के परे कुछ भी बड़ा या छोटा नहीं कर सकता।

यहीं रहो, और मैं देखूंगा कि प्रभु को और क्या कहना है। अब, यहीं से दरार पड़नी शुरू हो रही है। वह जानता है कि इसमें पैसे लगे हैं, और इसलिए भगवान ने बस इतना ही कहा है, मत जाओ; वह आगे बढ़ने जा रहा है और देखेगा कि क्या उसे प्रभु से कोई और जवाब मिल सकता है।

क्या आपने देखा कि हम कभी-कभी ऐसा कैसे करते हैं? हम जानते हैं कि भगवान क्या चाहते हैं, लेकिन, आप जानते हैं, अगर आप चीजों को थोड़ा मोड़ सकते हैं और उन्हें थोड़ा तर्कसंगत बना सकते हैं, तो शायद भगवान आपको ऐसा करने देंगे, भले ही यह सीमा से थोड़ा आगे हो। दिलचस्प है। भगवान कहते हैं, उनके साथ जाओ, लेकिन केवल वही करो जो मैं तुमसे कहता हूँ।

मैं जो कहता हूँ वही करो। और फिर भगवान उससे नाराज़ हो जाते हैं। और वह उसके रास्ते में फ़रिश्ते को भेजते हैं।

और, बेशक, यहीं से गधा बोलना शुरू करता है। और मुझे उम्मीद है कि आपको इसमें मज़ाक नज़र आएगा। बालाम एक महान भविष्यवक्ता है।

वह अपनी भविष्यवाणी के लिए जाना जाता है, और वह वहाँ खड़े देवदूत को नहीं देख सकता, लेकिन गधा देख सकता है। यह मज़ेदार है। यह मज़ेदार है।

किसी भी तरह, वे वहाँ पहुँचते हैं, और वह, आप जानते हैं, बालाम ये चार भविष्यवाणियाँ पेश करता है। और अंतिम भविष्यवाणियाँ विशेष रूप से प्रभावशाली हैं। वैसे, बहुत सी बातें कही जाती हैं।

उदाहरण: दूसरा वचन: ईश्वर मनुष्य नहीं है कि झूठ बोले, न ही वह आदमी है कि अपना मन बदले।

वह इसराइल को आशीर्वाद देने का इरादा रखता है। कुछ भी इसे बदल नहीं सकता। वह इसराइल को आशीर्वाद देने जा रहा है।

बालाम ने जादू-टोना और भविष्यवाणी करना बंद कर दिया। और अपने आखिरी भविष्यवाणी में उसने कहा, मैं उसे देखता हूँ, अभी नहीं। मैं उसे देखता हूँ, पास नहीं।

यह अध्याय 24, श्लोक 17 है। याकूब से एक सितारा निकलेगा, और इस्राएल से एक राजदण्ड उठेगा। यह एक मसीहाई भविष्यवाणी है, एक नेता की भविष्यवाणी।

वह नेता क्या करने जा रहा है? मोआब के माथे कुचलने जा रहा है। वह व्यक्ति कौन है जो शाप मांग रहा है? मोआब का राजा। वह मोआब के माथे कुचलने जा रहा है।

शेथ के सभी बेटों की खोपड़ियाँ। एडेन पर कब्ज़ा कर लिया जाएगा, वगैरह-वगैरह। और फिर यह कहता है, बालाम घर चला जाता है।

लेकिन वह वहाँ नहीं रुकता। इस बीच, और यहाँ दो बातें हैं जो आपको अपने दिमाग में रखनी चाहिए। इस बीच, मोआब का राजा बहुत क्रोधित हो गया है, और उसने कहा, तुम्हें तुम्हारा भुगतान नहीं मिलने वाला है।

तुम्हें पैसे नहीं मिलेंगे। तुमने वो काम नहीं किया जो मैंने तुमसे करने को कहा था। और इसलिए अब तुम चीज़ें एक साथ जोड़ना शुरू कर दो।

अध्याय 25 में, उस भविष्यवाणी के ठीक बाद, हम पढ़ते हैं, इस्राएली क्या करना शुरू करते हैं? वे मोआबी महिलाओं द्वारा बहकाए जाने के कारण पोर के बाल की पूजा करने के लिए चले जाते हैं। यह पवित्र वेश्यावृत्ति है, और ये महिलाएँ बाल की अनुष्ठानिक पूजा के संदर्भ में इन सभी इस्राएली पुरुषों को यौन वेश्यावृत्ति के इस दलदल में खींच रही हैं। और आप सोच रहे होंगे कि यह कैसे जुड़ा है? और हम पाते हैं कि यह कैसे जुड़ा है, क्योंकि अध्याय 31 में, जब अंततः, इन लोगों से निपटा जा रहा था, तो हमें पता चला कि यह बालाम ही था जिसने उन्हें यह सलाह दी थी।

बालाम ने उन्हें यह सलाह दी। और इसलिए आप इसे एक साथ रख सकते हैं। वह सोचता है, मुझे भुगतान नहीं मिल रहा है, ओह नहीं।

तो, टेबल के नीचे से वह कहता है, तुम जानते हो कि इन इस्राएलियों को कैसे पकड़ा जाए? क्या तुम जानते हो कि उन्हें कैसे फंसाया जाए? तुम बस अपनी औरतों को भेजो और उन्हें बहकाओ। इससे वे पकड़े जाएँगे। लेकिन बेशक, प्रभु को यह पता था।

अध्याय 31. जब आप अध्याय 31 को पढ़ेंगे, तो आपको पूरी समस्या समझ में आ जाएगी। और इसमें लिखा है, और उन्होंने बिलाम को भी मार डाला, जिसने मोआबी महिलाओं को इस्राएली पुरुषों को बहकाने की सलाह दी थी।

तो, उसे भले ही वेतन मिला हो, लेकिन यह निश्चित रूप से उसके लिए बहुत लंबे समय तक नहीं रहा। और यहीं से, ज़ाहिर है, पतरस की दुष्टता की मजदूरी आती है। वह वास्तव में सबसे जघन्य किस्म का झूठा भविष्यवक्ता था क्योंकि वह अच्छा दिखता था और उसने सही बातें कही थीं।

और उसने ऐसी बातें कहीं जो प्रभु की ओर से थीं, लेकिन उसने उन्हें गुमराह किया और परमेश्वर से दूर कर दिया। ठीक है। बस कुछ और बातें।

अरे हाँ। कला का एक और अद्भुत नमूना। क्या आपको वह गधा पसंद नहीं आया? गधा यहाँ बहुत स्पष्ट रूप से बोल रहा है।

मेरा मतलब है, यही तो हमें देखना चाहिए, यानी यह खुला मुंह। ठीक है। चलो जल्दी से करते हैं।

व्यवस्थाविवरण के अंतिम कुछ अध्यायों पर कुछ निष्कर्ष। व्यवस्थाविवरण के अंतिम कुछ अध्याय। कुछ बातें जो मैं चाहता हूँ कि आप जान लें।

अध्याय 27 और अध्याय 28 में आशीर्वाद और शापों को दोहराया गया है जो उस वाचा का हिस्सा हैं जिसे हम लैव्यव्यवस्था 26 में पढ़ते हैं। तो आप एक ही तरह की चीजें देखेंगे। अगर वे आज्ञाकारी हैं, तो परमेश्वर उन्हें देश के संदर्भ में भरपूर आशीर्वाद देगा।

लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन्हें सज़ा दी जाएगी। वे वाचा को नवीनीकृत करते हैं और वह उन्हें निर्देश देता है कि वाचा को कैसे नवीनीकृत किया जाए या जब वे देश में प्रवेश करते हैं तो वाचा को वास्तव में कैसे व्यक्त किया जाए। मूसा एक गीत गाता है।

और यह कोई खुशी का गाना नहीं है। यह बॉब डिलन के गाने जैसा है। मुझे नहीं पता।

वैसे भी यह आपकी पीढ़ी से पहले की बात है। यह एक निराशाजनक गीत है क्योंकि, मूल रूप से, यह एक ऐसा गीत है जो उनके खिलाफ गवाही देने जा रहा है जब वे पाप करेंगे। और वह कहता है कि वे पाप करने जा रहे हैं।

यह ऐसी ही चीज़ है जो होने जा रही है। फिर यह प्रत्येक जनजाति को आशीर्वाद देने में बदल जाता है। जैसा कि हमने उत्पत्ति 49 में याकूब को जनजातियों को आशीर्वाद देते हुए देखा था, आप उन्हें यहाँ भी फिर से देखेंगे।

और फिर, अंत में, मैं आपको सुझाव दूंगा कि शायद जो कोई भी पेंटाटेच को एक साथ रख रहा है, शायद बाद में, मूसा की मृत्यु पर यह पोस्टस्क्रिप्ट लिखेगा जब वह माउंट नेबो से वादा किए गए देश को देखेगा, जो वैसे, एक अलौकिक दृष्टि है। यदि आप एक मानचित्र के साथ बैठते हैं और आपको माउंट नेबो मिलता है, जो मोआब क्षेत्र में मृत सागर के उत्तरी छोर के ठीक सामने है, तो

वह पहले उत्तर की ओर देखता है और दान, उस क्षेत्र को देखता है, जो गलील सागर के उत्तर में है। और फिर उसकी नज़र भूमध्य सागर के उन इलाकों तक जाएगी और चारों ओर घूमेगी।

यह एक वामावर्त गति है, और यह एक अलौकिक दृष्टि है। वह इन चीजों को अपनी आँखों से नहीं देख पाता। इसलिए, भगवान उसे भूमि पर एक नज़र देता है।

यह भगवान का तोहफा है उसके लिए क्योंकि वह अंदर नहीं जा पाएगा। ठीक है, अब रुकने का समय है। बुधवार को मिलते हैं जब भी तुम परीक्षा देने के लिए तैयार हो। मैं एक चौथाई तक यहां पहुंच जाऊंगा।